केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 336 रविवार 30 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### डीएम ने किया भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कावड़ यात्रा के दृष्टिगत भदेश्वरनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओ को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के आने–जाने वाली गङ्गायुक्त सड़को को समय से सही कर लिया जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि वाहन पार्किंग व्यवस्था पहले से और बेहतर की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिला अधिकारी कमलेश चंद्र, अपर मुख्य पंचायत अधिकारी विकास मिश्रा, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, मंदिर के पुजारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

### 53 सहायक अध्यापकों में स्कूल का आवंटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । 12460 सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के तहत जनवरी 2024 में ही नियुक्ति पत्र पा चुके सहायक अध्यापकों को 28 जून को स्कूल आवंटित किया गया। लम्बे समय से इन नवनियुक्त शिक्षकों को तैनाती का इंतजार था। शुक्रवार को ऑनलाइन रिक्तियों के आधार पर इन सभी शिक्षकों को स्कूल आवंटित कर दिया गया। बीएसए अनूप कुमार ने बताया कि एक जुलाई से आवंटित स्कूल पर शिक्षक ज्वाइन कर शैक्षणिक कार्य करेंगे।

बीएसए कार्यालय में शुक्रवार को डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ला, जिला सेवायोजन अधिकारी एपी वर्मा, बीएसए अनूप कुमार, राजकीय कन्या इंटर की कॉलेज की प्रिंसिपल और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल की मौजूदगी में स्कूल आवंटन की प्रक्रिया को पूरा किया गया।

बीएसए ने बताया कि नवनियुक्त शिक्षकों को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत शिक्षकविहीन व एकल शिक्षक वाले स्कूलों में प्राथमिकता व रिक्तियों के आधार पर तैनाती दी गई है। इस दौरान जिला समन्वयक एमडीएम अमित मिश्रा, वरिष्ठ लिपिक संतोष गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

### घर पहुंचे गायब भाई, बहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हरैया (बस्ती)। हरैया थाना क्षेत्र के महादेवरी गांव से संदिग्ध परिस्थितियों से गायब भाई बहन लखनऊ में मिले। पुलिस ने भाई बहन को पिता के हवाले कर दिया है। पुलिस को दोनों बच्चों ने बताया कि मोबाइल चलाने को लेकर परिजनों की डांटा से नाराज होकर लखनऊ चले गये थे।वही से आज वापस आ गये हैं।सीओ हरैया अशोक मिश्र ने बच्चों की बरामदगी के लिये कई टीमें लगाई थी।

हरैया थाना क्षेत्र के महादेवरी गाँव के रहने वाले राम विनोद चाट की दुकान चलाकर अपने परिवार का गुजारा करते हैं परिजनों के मुताबिक गुरुवार की शाम 3 बजे उनकी बेटी (16) व बेटा (14 ) घर से दूसरे वाले मकान पर जाने की बात कहकर निकले थे। जब परिजन उस घर पर पहुंचे तो वहां पर ताला लटकता मिला।

परिजन दोनों की खोजबीन करना शुरू किये तो कही पता नहीं चला। देर शाम परिजनों ने घटना की सूचना हरैया थाने पर दिया। पुलिस मामले में गुमशुदगी दर्ज करके दोनों बच्चों की खोजबीन शुरू कर दिया हैं। वही परिजनों ने बताया कि पिछले छह महीने से एक युवक फोन करता था। सीओ हरैया अशोक कुमार मिश्रा देर रात गांव पहुंचे और परिजनों से बातचीत करके बच्चों की बरामदगी के लिये टीमें लगाई थी। मोबाइल चलाने को लेकर परिजनों द्वारा डांटा गया था। लखनऊ मे एक समाजसेवी ने प्राइवेट बस पर बैठाकर दोनों को हरैया भेज दिया।

# मुख्यमंत्री योगी ने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र, टैबलेट, 1 लाख रुपए देकर बढाया हौसला

**लखनऊ (आभा)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मेधावी छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने ड्रेस, जूता–मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी और स्कूल बैग की खरीद के लिए सभी छात्र–छात्राओं को 1200 रुपए की धनराशि उनके परिजनों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा,'हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि कोई छात्र स्कूल से वंचित न रह जाए। हम अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, ये देश की सबसे बड़ी सेवा है। श्रीमद्भगवतगीता में तो किसी को शिक्षित करना सबसे पवित्र कार्य माना गया है। उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों और अधिकारियों से कहा कि आप उस पवित्र कार्य से जुड़े हुए है।

आपका आचरण एक शासकीय अधिकारी की तरह नही, बल्कि समाज के एक मार्गदर्शक के रूप में, एक शिक्षक के रूप में होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि हमारे विद्यालय इनोवेशन और रिसर्च के नए सेंटर के रूप में स्थापित हों, हमारे छात्र–छात्राओं के अंदर कठिन से कठिन चुनौतियों से जूझने का जज्बा हो, इसके लिए हम अपने आपको तैयार करें।'

मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित करने के बाद सीएम योगी ने कहा, 'सचमुच एक गुरु के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि जिसको उन्होंने गाइड किया वो देश में, प्रदेश में, जनपद में उच्च स्थान प्राप्त कर उन्हें गौरवान्वित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते हुए नई पीढ़ी के सामने उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं कि अगर वो भी ऐसे ही परिश्रम करेंगे तो उन्हें भी सम्मान प्राप्त होगा।

सीएम योगी ने छात्र–छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में किसी भी फील्ड में जाना हो याद रखना परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। जीवन में शॉर्टकट का रास्ता अपनाने वाला व्यक्ति कभी भी अपनी मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए जीवन में जितना कठिन परिश्रम कर सकते हैं, करना चाहिए। जिन छात्रों ने कठिन परिश्रम किया, मेरिट में उनका नाम आया। सफलता हमें ये भी बताती है कि हमने मंजिल पा ली है, हमारी दिशा सही है, हमें दिशा भ्रम में नहीं पड़ना है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन नई दिल्ली और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से जुड़े छात्र–छात्राओं को यहां सम्मानित किया गया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मेरिट में जगह बनाने वाले कुल छात्र–छात्राओं की संख्या 170 है, जिनमें छात्र 58 हैं और छात्राएं 112 हैं। ये सफलता बताती है कि बेटियों ने लंबी छलांग मारी है और बेटी पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा की हाईस्कूल परीक्षा की मेरिट सूची में कुल 17 में 4 छात्र हैं और 13 छात्राएं हैं। इंटरमीडिएट की मेरिट लिस्ट में कुल 36 में से 14 छात्र हैं और 22 छात्राएं हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा की मेरिट लिस्ट में कुल 11 में से 2 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मिलित हैं। इंटरमीडिए में 11 की मेरिट लिस्ट में एक छात्र और 10 छात्राएं शामिल हैं। सीबीएसई की 10वीं मेरिट सूची में प्रदेश के 26 छात्रों में 11 छात्र और 15 छात्राएं हैं। 102 में 22 में 3 छात्र और 19 छात्राएं हैं। आईसीएससी में 30 में 18 छात्र और 12 छात्राएं है, वहीं 102 में 17 में से 5 छात्र हैं और 12 छात्राएं हैं। इन सभी मैरिट में आने वाले छात्र–छात्राओं को सर्टिफिकेट, टैबलेट और एक लाख रुपए नगद उपलब्ध कराने का कार्य सरकार कर रही है। इसके साथ ही ये छात्र जिस गांव, मोहल्ले के होंगे वहां की सड़क का नामकरण इनके नाम पर या वहां की सड़क का निर्माण कार्य सरकार के स्तर पर होगा। विधायक और सांसद के साथ मिलकर इन्हीं के द्वारा इसका शिलान्यास भी कराया जाना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि आज यहां पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनेक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इनमें 88 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपए प्रति छात्र भेजे गए हैं। बेसिक शिक्षा परिषद ने विगत 7 वर्ष में अनेक इनोवेशन को आगे बढ़ाया है।

# मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केन्द्र से मांगा बिहार के लिये विशेष दर्जा

**नई दिल्ली (आभा)।** बिहार को विशेष राज्य के दर्जे का मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को दिल्ली में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र के सामने फिर से यह मांग रख दी। बैठक में कहा गया कि बिहार को आर्थिक रूप से विकसित करने के लिए यह विशेष दर्जा मिलना जरूरी हो गया है। हालांकि, नीतीश ने केंद्र के सामने थोड़ा सॉफ्ट खेलते हुए इस बार दो विकल्प रखे हैं। उन्होंने मोदी सरकार से कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, लेकिन स्पेशल स्टेटस ना मिले तो विशेष पैकेज ही मिल जाए तो भी अच्छा रहेगा। नीतीश ने केंद्र के सामने दो विकल्प क्यों रखें, इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का दौर भी चल रहा है।

जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राज्यसभा सांसद संजय झा को नीतीश ने पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया। संजय झा ऐसे नेता हैं जिनका बैकग्राउंड भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का रहा है। उनकी बीजेपी के कई नेताओं से नजदीकी की चर्चा भी होती रहती है। इस साल इंडिया गठबंधन से जेडीयू की एनडीए में वापसी कराने में झा की अहम भूमिका रही थी। नीतीश ने उन्हें जेडीयू में नंबर दो का नेता बनाकर यह संकेत दिए हैं कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वे बीजेपी से कोई तकरार नहीं चाहते हैं। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा ने स्पष्ट भी किया कि जेडीयू एनडीए में बनी रहेगी।

दूसरी ओर, विशेष राज्य के दर्जे की मांग जेडीयू लंबे समय से कर रही है। 6 महीने पहले जब नीतीश के नेतृत्व में बिहार के अंदर महागठबंधन की सरकार थी, तब राज्य कैबिनेट ने स्पेशल स्टेटस का प्रस्ताव मंजूर कर केंद्र को भेजा था। हालांकि, बाद में नीतीश महागठबंधन छोड़कर एनडीए में वापस आ गए। अब उनपर फिर से अपनी कैबिनेट से ऐसा ही प्रस्ताव मंजूर कर केंद्र को भेजने का दबाव बन रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को नीतीश से यह मांग भी कर दी।

# अरविन्द केजरीवाल फिर न्यायिक हिरासत में

**नई दिल्ली (आभा)।** दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सीबीआई ने कोर्ट से केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने की अपील की थी। सीबीआई ने अपने आवेदन में कहा था कि केजरीवाल पूछताछ के दौरान जानबूझ टालमटोल कर रहे थे, लेकिन वर्तमान स्थिति में हिरासत में लेकर आगे पूछताछ की आपश्यकता नहीं है।

सीबीआई ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजा जाए क्योंकि वह एक प्रमुख राजनेता हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री होने के साथ बहुत प्रभावशाली हैं। सीबीआई ने कहा कि अगर उन्हें न्यायिक हिरासत में नहीं भेजा गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं और पूछताछ के दौरान उनके सामने आए सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

कोर्ट ने सीबीआई की अपील को स्वीकार करते हुए 12 जुलाई तक केजरीवाल को सीबीआई की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें, हाल ही में सीबीआई ने केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें तीन दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। शनिवार को हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। फैसला सुनाने से पहले कोर्ट ने केजरीवाल को उनके परिवार से मिलने के लिए 10 मिनट का समय भी दिया था।

# शिविर में 15 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को अभय शक्ति चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा आयुष हास्पिटल बटेला चौराहे पर मुख्य न्यासी अभय कुमार पाण्डेय के संयोजन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 15 लोगों ने रक्तदान किया।

शिविर के आरम्भ में संयोजक अभय कुमार पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। रक्तदान से लोगों की जिंदगी बच जाती है। इसका अनुभव हमें तब होता है जब कोई अपना जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। कहा कि अनायास दुर्घटना या बीमारी का शिकार हम में से कोई भी हो सकता है। आज हम सभी शिक्षित व सभ्य समाज के नागरिक हैं जो केवल अपनी ही नहीं, बल्कि दूसरों के भलाई के लिए भी सोचते हैं। ऐसे में हमें जीवन रक्षा के लिये रक्तदान के पुनीत कार्य में सहयोग देना चाहिये।

रक्तदान करने वालों में ज्ञान प्रकाश यादव, रमेश यादव, आदित्य यादव, अमित, आशुतोष तिवारी के साथ ही 15 लोग शामिल रहे। रक्तदान शिविर के संयोजन में अमित कुमार निराला, आशुतोष त्रिपाठी, सिन्धू सिंह, विजय कुमार सिंह, मुकेश गौतम, आलोक कुमार आदि ने योगदान दिया।

# जमीन पर कब्जे का षड़यंत्र: कार्रवाई की मांग

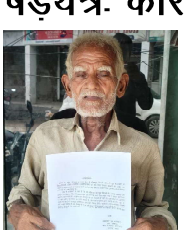

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के औसापुर निवासी अदालती पुत्र कालीदीन ने जिलाधिकारी सहित सम्बंधित उच्चाधिकारियों को पत्र देकर उसकी आबादी की जमीन पर जबरिया कब्जा करने का षड़यंत्र करने वाले बानगढ निवासी सत्यनरायन पुत्र गंगाराम के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पत्र में अदालती ने कहा है कि वह औसापुर का मूल निवासी है। उसके आबादी की जमीन पर बानगढ निवासी सत्यनरायन पुत्र गंगाराम आये दिन तरह–तरह से कब्जा करने का षड़यंत्र रचते रहते हैं। सत्यनरायन औसापुर के मूल निवासी भी नहीं है। कुछ लोगों के उकसावे पर वह जमीन पर कब्जा कर लेना चाहता है। वाल्टरगंज पुलिस द्वारा भादवि की धारा 151 के तहत कार्रवाई के बावजूद सत्यनरायन आये दिन विवाद किया करता है। वह आपराधिक किस्म का मनबढ व्यक्ति है और किसी भी घटना को अन्जाम दे सकता है। अदालती ने उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि उसके परिवार के जान माल की रक्षा कराने के साथ ही जमीन की भी रक्षा कराया जाय।

# कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने नाक रगड़ कर राधा रानी से मांगी माफी

**मथुरा (आभा)।** राधा रानी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने शुक्रवार को बरसाना स्थित मंदिर पहुंचकर माफी मांग ली। साधु–संतों के भारी विरोध के बाद बरसाना पहुंचे कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने राधा रानी के सामने पहले सिर झुकाया फिर दंडवत होकर नाक रगड़ी। कथावाचक ने राधा रानी से माफी मांगते हुए कहा, उन्होंने जो कुछ भी कहा है उसके लिए राधा रानी उन्हें माफ करें। राधा रानी के भक्त उन्हें माफ

करें। साथ ही प्रदीप मिश्रा ने यह भी कहा कि वह अपनी हर कथा में यह कहेंगे कि उन्होंने राधा रानी के बारे में गलत शब्द कहे, जिसके लिए राधा रानी उन्हें माफ करें। इस दौरान मंदिर और परिसर में भारी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात रही।

बतादें कि कुछ दिन पहले कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने राधा रानी पर विवादित बयानबाजी कर दी थी, इसके बाद श्रद्धालुओं में जबरदस्त विरोध बढ़ गया था। बीते सोमवार को लेकर ब्रज तीर्थ देवालय न्यास की ओर से गहवरवन के रास मंडप में महापंचायत भी की गई थी। इस पंचायत में साधु, संत और ब्रजवासियों ने मिश्रा को ब्रज में नहीं घुसने देने का ऐलान किया था।

# दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस पर मनाया गया व्यापारी कल्याण दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा कि व्यापारी बन्धुओं के लिए शासन की मंशानुरूप संचालित योजनाओं का त्वरित लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होने उपस्थित व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे अधिकारीगण समस्याओं के निस्तारण में हरसम्भव प्रयास करेंगे, जिससे निर्धारित समय में ही समस्याओं का समाधान हो जाय तथा देश व प्रदेश के आर्थिक विकास में व्यापारियों का महत्वपूर्ण योगदान बना रहें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक हरैया अजय सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश के विकास में व्यापारी वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान है। व्यापारियों द्वारा दिये जा रहे टैक्स से प्रशासन को विकास के लिए बड़ी सहुलियत मिलती है।

समारोह का शुभारम्भ दानवीर भामाशाह के चित्र पर माल्यापण के साथ हुआ। उपायुक्त प्रशासन राज्य कर उपेन्द्र यादव द्वारा भामाशह के जीवनवृत्त पर संक्षिप्त परिचय दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी व विधायक हरैया द्वारा जनपद के दो बड़े करदाता प्रेम अग्रवाल तथा राकेश त्रिपाठी को भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जनपद के 100 करोड़ रुपये का निवेश करने वाले उद्यमी मनोज कसौधन, युवा उद्यमी अनूप तिवारी, ईश्वर तिवारी तथा समाजसेवा में विशेष योगदान देने वाले गौहर अली व ओम प्रकाश आर्य को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

सरकार द्वारा चलायी जा रही व्यापारियों के हित में व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के तहत दुर्घटनाओं में मृत तीन व्यापारियों के परिजनों रामअचल वर्मा, कमला देवी तथा शकुन्तला देवी को राज्य सरकार की तरफ से रू. 10–10 लाख ६ नराशि का चेक प्रदान किया गया। जनपद में एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत सिद्धमित्रा फर्नीचर्स के प्रबंधक को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत व्यापारियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा संस्कृति विभाग लखनऊ के लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुत भी दी गयी।

समारोह में सीडीओ जयदेव सीएस, विधायक कप्तानगंज के प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर, नगरपालिका प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष आनन्द राजपाल, सूर्यप्रकाश शुक्ला, राजेश सिंह, विश्वनाथ वर्मा, सुभाष शुक्ला, जगदीश अग्रहरि, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, डीडीओ अजय कुमार सिंह, समाजकल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, उपायुक्त राज्य कर प्रभाकर सरोज, उपायुक्त एनआरएलएम आशा देवी, के.के. गौतम, शशांक सोनी, मनमोहन श्रीवास्तव (काजू) सहित व्यापारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहें।

# मण्डलीय गोष्ठी 2 को: एडी बेसिक ने किया तैयारियों की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत 2 जुलाई को बस्ती में प्रस्तावित बस्ती तथा आजमगढ़ मंडल के बेसिक शिक्षा विभाग अधिकारियों की निपुण भारत मिशन मंडलीय गोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा एडी बेसिक बस्ती मंडल संजय शुक्ल ने शनिवार को किया। कटेश्वर पार्क स्थित एडी बेसिक कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कार्यक्रम की तैयारी में संलग्न लोगों से कार्यक्रम की प्रगति जानी और कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों से आ रहे शिक्षा विभाग के अधिकारियों के आने जाने, भोजन, जलपान व कार्यक्रम के प्रस्तुतीकरण में कोई बाधा न हो। उल्लेखनीय है कि समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश द्वारा बस्ती और आजमगढ़ मंडल के सभी जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, सभी जिला समन्वयक तथा एसआरजी सदस्यों की निपुण भारत मिशन मंडलीय गोष्ठी का आयोजन 2 जुलाई को शहर स्थित एक होटल में किया प्रस्तावित है। जिसमें राज्य स्तर से

राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ से आ रहे महानिदेशक स्कूल शिक्षा की टीम के अधिकारियों द्वारा शिक्षा विभाग में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। उच्च अधिकारियों द्वारा निपुण भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प, बालिका शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उनकी प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

इस कार्यक्रम में राज्य परियोजना कार्यालय से वरिष्ठ विशेषज्ञ आनंद पाण्डेय, श्याम किशोर तिवारी, माधव जी तिवारी सहित अन्य विशेषज्ञ कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में बस्ती तथा आजमगढ़ के मंडल के सभी जनपदों के शिक्षा अधिकारी प्रतिभाग करेंगे और बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित योजनाओं की प्रगति के लिए टिप्स सीखेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक बस्ती मंडल संजय शुक्ल के नेतृत्व में किया जा रहा है। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी नीरज सिंह, विजय आनंद, प्रभात श्रीवास्तव, मंडलीय समन्वयक मिथिलेश श्रीवास्तव, जिला सामान्य सुनील तिवारी, स्वप्निल श्रीवास्तव, अमित मिश्र, डॉ सर्वेष्ट मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, अंगद सहित अन्य उपस्थित रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 30 जून 2024 रविवार

## सम्पादकीय

# हेमंत सोरेन की रिहाई

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत मिल गई है। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सोरेन की रिहाई ने राज्य के समीकरणों में बड़ा बदलाव कर दिया है, क्योंकि राज्य की झामुमो–कांग्रेस गठबंधन सरकार को नैतिक तौर पर सोरेन की रिहाई से ताकत मिली है। हेमंत सोरेन को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने राज्य के सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, और गठबंधन ने उनके चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता घोषित करके मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन झामुमो का चेहरा बन गईं है। उन्होंने अपनी वाकपटुता के जरिए महिलाओं के बीच एक मजबूत छवि बना ली है।

कल्पना सोरेन ने इंडिया गठबंधन के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के कैंपेन में भी भाग लिया और लोकसभा चुनावों के साथ ही गांडेय विधानसभा में हुए उपचुनाव में 26,000 वोटों से जीत हासिल की थी। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को 5 सीटें मिली थीं। जेएमएम को अकेले तीन सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलीं। बीजेपी ने यहां 8 सीटें जीती थीं, जबकि उसके सहयोगी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन को एक सीट मिली थी। खास बात यह है कि विपक्षी गठबंधन ने सभी पांच एसटी–आरक्षित सीटे अपने ही नाम की थी। बीजेपी को आदिवासी बहुल सभी सीटों पर बुरी हार का सामना करना पड़ा था, यहां तक कि पार्टी ने आदिवासी बहुल दुमका भी गंवा दी, जबकि इस सीट पर पार्टी ने जेएमएम से बगावत करके बीजेपी में आईं हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को टिकट दिया था। यह बताता है कि झामुमो और उसके सहयोगियों की राज्य के आदिवासी इलाकों में पकड़ बनी हुई है और सोरेन की रिहाई के बाद गठबंधन को उम्मीद है कि बीजेपी की हालत यहां और खराब हो सकती है।

आखिर गिरफ्तारी के करीब 5 महीने बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और श्रडड नेता हेमंत सोरेन को जमानत मिल गई। सोरेन को ईडी ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। ईडी द्वारा ही गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नियमित जमानत पाने में अभी तक सफल नहीं हुए हैं। इन दोनों मामलों से कई तरह के प्रशासनिक, राजनीतिक और कानूनी सवाल जुड़े नजर आते हैं।

दोनों न केवल अपनी–अपनी पार्टी के सबसे प्रमुख नेता माने जाते हैं बल्कि अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्री पद पर रहे। इनके ऊपर लगाए गए आरोप बेशक गंभीर हैं, लेकिन जिस तरह से लोकसभा चुनावों से कुछ ही पहले इन्हें गिरफ्तार किया गया, उससे विपक्ष को यह कहने का मौका मिला कि इन गिरफ्तारियों के पीछे उसकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित करने की कोशिश हो सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को तो सुप्रीम कोर्ट के दखल से चुनाव में प्रचार करने की मोहलत भी मिली, लेकिन हेमंत सोरेन उससे वंचित रहे।

खासकर, केजरीवाल के मामले में जमानत पर रिहाई रोकने की जिस तरह की कोशिशें पिछले दिनों दिखीं वे भी सवाल खड़े करती हैं। निचली अदालत के जमानत दे देने के बाद ईडी का हाईकोर्ट पहुंचना अगर सामान्य था भी तो हाईकोर्ट ने जिस तरह से अपना आदेश सुरक्षित रख लिया उसे सुप्रीम कोर्ट ने भी असामान्य बताया। और फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से ठीक पहले जिस तरह से ब्ठप् ने केजरीवाल को उसी एक्साइज पॉलिसी केस में गिरफ्तार किया, वह कम से कम जांच एजेंसियों की कुशलता का उदाहरण तो नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन की जमानत अर्जी पर सुनवाई स्थगित करने के सवाल पर हाईकोर्ट को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट हजार बार कह चुका है कि जमानत से जुड़े मामले बेवजह टाले नहीं जाने चाहिए और यह भी कि बेल को नियम और जेल को अपवाद माना जाना चाहिए। फिर भी अलग–अलग मामलों में बार–बार जमानत की अर्जी को कानूनी प्रक्रिया में उलझाते हुए आरोपी को अधिक से अधिक समय तक जेल में रखने की प्रवृत्ति नजर आती है।

इसमें दो राय नहीं कि कानून के सामने हर कोई समान है। लेकिन गिरफ्तार किया जाने वाला व्यक्ति अगर मुख्यमंत्री है तो उस मामले के राजनीतिक, प्रशासनिक और चुनावी निहितार्थ दूर तक जाते हैं। निश्चित तौर पर सार्वजनिक जीवन में शुचिता को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता, हर मामले और हर व्यक्ति की पूरी जांच होनी ही चाहिए, लेकिन इस क्रम में इंसाफ न सिर्फ होना चाहिए बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए।

# सत्ता और विपक्ष को मतदाताओं की चेतावनी

–विश्वनाथ सचदेव–

अठारहवी लोकसभा का अधिवेशन प्रारंभ हो गया है। संसद में सरकार की नीति और नीयत को लेकर बहस शुरू हो चुकी है। लेकिन फिर सरकार और विपक्ष दोनों संविधान की रक्षा की दुहाई देकर आमने–सामने हैं। सदन के बाहर विपक्ष के सांसद संविधान की रक्षा के नारे लगा रहे थे और भीतर सत्तारूढ़ पक्ष भी यही बात कह रहा था। बात दोनों एक ही कर रहे थे, पर संदर्भ अलग–अलग थे। ऐसे में एक सामान्य नागरिक का असमंजस समझ में आने वाली बात है। आखिर संविधान की रक्षा का मतलब क्या है?

मतलब यह है कि जिन मूल्यों और आदर्शों को आधार बनाकर संविधान की रचना की गयी थी, सांसद पूरी ईमानदारी के साथ उनका पालन करें। यह तो आने वाला कल ही बतायेगा कि हमारे राजनेता कितनी ईमानदारी के साथ यह काम करते हैं, लेकिन संसद के इस अधिवेशन का आगाज बता रहा है कि अंजाम कुछ हल्लेदार ही होगा। शुरुआत प्रधानमंत्री ने कर ही दी है। सत्र प्रारंभ होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने दो–तीन ऐसी बातें कही हैं जिनकी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। मसलन, उन्होंने यह दोहराना जरूरी समझा कि मतदाता ने उनकी पिछली सरकार की नीति और नीयत में विश्वास प्रकट करके ही उन्हें लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दायित्व सौंपा है।

बात यहीं से शुरू होती है। यह सही है कि लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है पर यह नहीं भूल जाना चाहिए कि पिछली दो पारियों में भाजपा का अपना स्पष्ट बहुमत था और सहयोगी दल भाजपा की अनुकंपा से ही सरकार का हिस्सा बन सके। इस बार स्थिति ऐसी नहीं है, भाजपा सबसे बड़ा दल जरूर है, पर यह मिली–जुली सरकार बैसाखियों के सहारे राज करेगी। इसलिए प्रधानमंत्री को अपनी छवि बनाए रखने के लिए समझौतावादी दृष्टिकोण के साथ काम करना होगाकृ यह रुख विपक्ष के प्रति ही नहीं, अपने सहयोगी दलों के प्रति भी अपनाना होगा। चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगू देसम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश की जेडीयू कब क्या रुख अपना ले, कहा नहीं जा सकता। यह सही है कि फिलहाल इन दो दलों की भूमिका को लेकर कोई आशंका नहीं है, पर राजनीति संभावनाओं का खेल है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक सभा में नायडू पर व्यंग्य करते हुए उन्हें 'दल बदलने में और खुद के ससुर की पीठ में छुरा घोंपने में सीनियर' बताया था और इसके कुछ ही अर्सा बाद टीडीपी के नेता नायडू ने यह कहकर जैसे बदला चुकाया था कि 'मैं पहला आदमी था जिसने 2002 के दंगों के बाद उनसे (मोदी से) इस्तीफा मांगा था'। तब चंद्रबाबू नायडू ने मोदी जी को अतिवादी तक कह दिया था।

बहरहाल, संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने मीडिया के समक्ष दो–तीन ऐसी बातें की हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जाना चाहिए। मसलन, प्रधानमंत्री का यह कहना कि जनता सदन में तमाशा नहीं देखना चाहती, हो–हल्ला भी नहीं, विपक्ष के निशाने पर रहेगा। मजबूत विपक्ष लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, और इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछली बार की तरह इतना कमजोर नहीं है कि सरकार उसे हल्के में ले सके। यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि बनारस के मतदाता ने इस बार प्रधानमंत्री को उतना समर्थन नहीं दिया है जितना पिछली दो बार उन्हें मिला था। ऐसे में, भले ही प्रधानमंत्री अपनी दबंग नेता वाली छवि को बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं, पर वस्तुस्थिति यह है कि अब वह पहले जितने कद्दावर नेता नहीं रहे। स्पष्ट है, पिछली दो बार की तरह वे अब मनमानी नहीं कर पाएंगे। स्थिति यह है कि एक ओर तो विपक्ष जो अब पहले से कहीं अधिक बलशाली है, और अधिक आक्रामक हो सकता है। दूसरी ओर भाजपा के भीतर भी ऐसी स्थितियां पनप सकती हैं जो प्रधानमंत्री को कमजोर बना दें। इस संदर्भ में भाजपा की पितृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बदले तेवरों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता।

भाजपा के नेतृत्व को यह भी समझना होगा कि चुनाव में इस बार पहले जैसी सफलता का न मिलना यह भी बताता है कि उसका जन–समर्थन कम हुआ है। बात सत्ता विरोधी रुख तक सीमित नहीं है। यह एक चेतावनी है भाजपा के लिए, विशेषकर प्रधानमंत्री के लिए कि उनकी शासन–व्यवस्था में खामियां थीं। महंगाई और बेरोजगारी जैसे बुनियादी सवालों को पिछली सरकार ने उतनी गंभीरता से नहीं लिया, जितनी गंभीरता से लेना चाहिए था। यह बात भाजपा के नेतृत्व को समझनी होगी कि मतदाता को जेब में रखने वाली सोच कभी सही नहीं हो सकती। मुफ्त अनाज और नकद सहायता जैसे कदम मतदाता को सीमित रूप से ही प्रभावित करते हैं। भरोसा नहीं जगाते सरकार के प्रति।

प्रधानमंत्री तो यह भरोसा भी दिलाना चाहते हैं कि उन्हें लगता है कि वे दैवी कृपा का पात्र बनकर ईश्वर द्वारा भेजे गये हैं। हाल ही में उन्होंने इस आशय का बयान भी दिया था कि उन्हें ईश्वर ने किसी बड़े काम के लिए भेजा है! यह बड़ा काम क्या है यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया, लेकिन चुनाव–परिणाम बता रहे हैं कि कुल मिलाकर मतदाता उनकी ऐसी बातों से प्रभावित नहीं हुआ है। जनता को ठोस परिणाम चाहिए, जुमलों का गुलदस्ता नहीं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने छोटे से भाषण में कुछ भी कहना जरूरी नहीं समझा।

हां, 25 जून के हवाले से उन्होंने एक बात अवश्य कही जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह बताना जरूरी समझा कि 50 साल पहले इसी दिन देश में आपातकाल लागू किया गया था और विरोधी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। वह काल हमारे लोकतंत्र का एक काला अध्याय है। यह बात कहकर संभवतरू प्रधानमंत्री कांग्रेस पार्टी को एक तरह से चेतावनी दे रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अब कोई देश में आपातकाल लागू नहीं कर पायेगा। संविधान में संशोधन करके जनता पार्टी की सरकार ने ऐसी व्यवस्था तो कर दी थी कि फिर कोई शासक आपातकाल लागू न कर पाये, पर शासक के मन में एकाधिकारवादी सोच पनप ही न पाये ऐसी व्यवस्था सिर्फ देश का मतदाता ही कर सकता है।

इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि अति लोकप्रियता किसी भी शासक को अहंकार और तानाशाही सोच से भर सकती है। इसलिए चुनाव–परिणाम को इस तरह से भी समझा जाना जरूरी है कि मतदाता ने एक गंभीर चेतावनी दी है। यह चेतावनी सिर्फ सत्तारूढ़ पक्ष के लिए ही नहीं है, विपक्ष को भी समझना होगा कि देश का मतदाता उससे भी बहुत अपेक्षाएं रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और विपक्ष दोनों ही इस चेतावनी की गंभीरता को समझेंगे। जहां तक संविधान की रक्षा का सवाल है तो यह काम देश का जागरूक नागरिक अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता हैदृ अभी उसने संकेत दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस संकेत को हमारे राजनेता समझेंगे।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं

— योगेन्द्र योगी—

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारुढ़ दल उस तरह प्रतिरोधा नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है।

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा।

लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया– जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह–ओ–अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार साामन्य नजर आया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। १७ वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमे कटौती करना सत्तारुढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्मानीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसीयत सत्तारुढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब ये कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे। दोनों के राय से फैसले लिए जाएंगे। चुनाव आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष इन सभी पदों का चयन एक पैनल के जरिए किया जाता है, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष शामिल रहते हैं।

अब तक राहुल गांधी कभी भी मोदी के साथ किसी पैनल में शामिल नहीं हुए हैं। राहुल गांधी भारत सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे। राहुल सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा करेंगे। वह ये जानने की कोशिश करेंगे कि सरकार कहां पर कितना पैसा खर्च कर रही है। राहुल गांधी दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं। मतलब कि अगर वह किसी मुद्दे पर विदेशी मेहमानों से चर्चा करना चाहें तो वह ऐसा कर पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुखों के चयन में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से इन एजेंसियों पर काफी आरोप लगाते आए हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को पद भी मिला है और उनका कद भी बढ़ गया है। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी को कई अधिकार और सुविधाएं मिलेंगी। नेता प्रतिपक्ष का पद कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है। राहुल गांधी को केंद्रीय मंत्री के समान वेतन, भत्ता और दूसरी सुविधाएं मिलेंगी। राहुल को कैबिनेट मंत्री के आवास के स्तर का बंग्ला मिलेगा। उन्हें कार, ड्राइवर की सुविधा भी दी जाएगी. साथ ही 14 लोगों का स्टाफ मिलेगा। बतौर सांसद राहुल गांधी को एक लाख रुपए और 45 हजार भत्ता मिलता है, लेकिन नेता विपक्ष बनने के बाद उन्हें मासिक वेतन और दूसरे भत्तों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए मिलेंगे। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की पुरानी छवि टूट जाएगी और वो एक नई छवि को गढ़ते नजर आएंगे। साल 2004 में जब राहुल गांधी ने पहली बार चुनावी राजनीति में दस्तक दी थी। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सत्ता रही लेकिन राहुल ने कोई मंत्री पद नहीं लिया। उन पर कैबिनेट पद के लिए दबाव भी था, लेकिन फिर भी उन्होंने मना कर दिया था। 2014 में कांग्रेस जब सत्ता से बाहर हुई तो नेता प्रतिपक्ष बनाने लायक सीटें भी हासिल नहीं कर पाई थी। बदले हुए हालात में केंद्र की भाजपा सरकार पिछले कार्यकाल की तरह विपक्ष को दरकिनार करके सदन की कार्यवाही नहीं चलवा सकती। मजबूत विपक्ष और राहुल गांधी के प्रतिपक्ष का नेता बनने से मोदी सरकार को अपने नजरिए में फेरबदल करना होगा।

# शिक्षा के लिए संघर्ष

—निरमा—

हमारे देश में महिलाओं और किशोरियों को आज भी जीवन के किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पितृसत्तात्मक समाज से संघर्ष करनी पड़ती है. कभी आधुनिकता और कभी संस्कृति एवं परंपरा के नाम पर उसके पैरों में बेड़ियां डालने का काम किया जाता रहा है. शिक्षा, हर रुकावट को दूर करने का सबसे सशक्त माध्यम है. लेकिन महिलाओं और किशोरियों के सामने इसी क्षेत्र में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न की जाती है. उन्हें पढ़ने और सशक्त बनने से रोका जाता है. भले ही शहरी क्षेत्रों में अब किशोरियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने में रुकावटें हटने लगी हैं, लेकिन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए संघर्ष करनी पड़ती है।

2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता के मामले में देश में जो तीन सबसे कमजोर राज्य हैं उनमें राजस्थान भी है. जहां साक्षरता की दर राष्ट्रीय औसत 74.04 प्रतिशत की तुलना में केवल 67.06 प्रतिशत है. ऐसे में यहां महिलाओं में साक्षरता की दर का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है और बात जब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय में महिलाओं के साक्षरता दर की करेंगे तो यह आंकड़ा और कितना कम होगा, यह पता लगाना बहुत अधिक मुश्किल नहीं होगा।

राज्य के अजमेर जिला स्थित नाचनबाड़ी गांव ऐसा ही एक उदाहरण है. जिला के घूघरा पंचायत स्थित इस गांव में अनुसूचित जनजाति कालबेलिया समुदाय की बहुलता हैं. पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार गांव में लगभग 500 घर हैं. गांव के अधिकतर पुरुष और महिलाएं स्थानीय चूना भट्टा पर दैनिक मजदूर के रूप में काम करते हैं. जहां दिन भर जी तोड़ मेहनत के बाद भी उन्हें इतनी ही मजदूरी मिलती है जिससे वह अपने परिवार का गुजारा कर सके. यही कारण है कि गांव के कई बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं आसपास के गांवों से भिक्षा मांगकर अपना गुजारा करते है. समुदाय में किसी के पास भी खेती के लिए अपनी जमीन नहीं है. खानाबदोश जीवन गुजारने के कारण इस समुदाय का पहले कोई स्थाई ठिकाना नहीं हुआ करता था. हालांकि समय बदलने के साथ अब यह समुदाय कुछ जगहों पर पीढ़ी दर पीढ़ी स्थाई रूप से निवास करने लगा है. लेकिन इनमें से किसी के पास जमीन का अपना पट्टा नहीं है. इस समुदाय में बालिका शिक्षा की स्थिति अब भी कम है।

हालांकि पहले की तुलना में कालबेलिया समुदाय के लोग अपनी लड़कियों को स्कूल भेजने लगे हैं लेकिन अधिकतर लड़कियों की 12वीं के बाद शादी कर दी जाती है. इस संबंध में समुदाय की एक 37 वर्षीय महिला शांति बाई बताती हैं कि "नाचनबाड़ी में केवल एक प्राथमिक विद्यालय है, जहां पांचवी तक की पढ़ाई होती है. इसमें गांव के सभी बच्चे पढ़ने जाते हैं. लेकिन इसके आगे के लिए बच्चों को तीन किमी दूर घूघरा जाना पड़ता है. जहां अपनी लड़कियों को भेजने के लिए अभिभावक तैयार नहीं होते हैं." शांति बाई बताती हैं कि उनकी तीन लड़कियां हैं जो 10वीं, 9वीं और 6वीं में पढ़ने के लिए घूघरा गांव जाती हैं. यह समुदाय की पहली लड़कियां हैं जो 5वीं से आगे शिक्षा प्राप्त करना शुरू की थी. उनके इस कदम से समुदाय के कुछ जागरूक अभिभावकों ने भी अपनी लड़कियों को माध्यमिक और उच्च शिक्षा के लिए घूघरा गांव के हाई स्कूल में एडमिशन कराया है.

शांति बाई की बड़ी बेटी रौशनी जो 10वीं की छात्रा है, बताती है कि उसे और उसकी बहनों को पढ़ना अच्छा लगता है. इसलिए वह प्रतिदिन स्कूल जाती हैं. वह बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती है. लेकिन स्कूल में विज्ञान के शिक्षक का पद खाली है, इसलिए वह घर में इस विषय की तैयारी करती है. रौशनी की बात को आगे जोड़ते हुए शांति बाई कहती हैं कि वह लोग आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं. उनके पति स्थानीय चूना भट्टा पर दैनिक मजदूर के रूप में काम करते हैं. जिसमें इतनी ही मजदूरी मिलती है जिससे परिवार का किसी प्रकार गुजारा हो सके. इसके बावजूद वह अपनी बच्चियों को पढ़ाना चाहती हैं।

# कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

## सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

| क्र0 | प्रापर्टी आई0डी0 | आवेदन संख्या | वर्तमान नाम | प्रास्तावित नाम | | आधार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 6 |
| 1 | 09517010040278 81R/ | PM5172425003021/ | हाजी जलालुद्दीन पुत्र हाजी सहाबुद्दीन | सैय्यद जियाउद्दीन अहमद | जलालुद्दीन अहमद | रजि० वसीयत |
| 2 | 09517010020245 23R/ | PM5172425003017/ | श्रीमती मीना देवी पत्नी जगन्नाथ प्रसाद | शिवम गुप्ता शुभम गुप्ता | विजय कुमार गुप्ता | रजि० सेल डीड |
| 3 | 09517010080322 74R/ | PM5172425003016/ | श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी बी०आर०चौधरी | आलोक कुमार चौधरी | बलराम चौधरी | रजि० सेल डीड |
| 4 | 09517010050269 50R/ | PM5172425003012/ | श्री वहाजुर्रहमान पुत्र अब्दुल रहमान व मो० एबादुर्रहमान, मो० एजाजुर्रहमान, मो० शमशादुर्रहमान, मो० इरशदुर्रहमान, मो० अशहादुर्रहमान पुत्रगण स्व० मो० रियाजुर्रहमान, श्रीमती शबीना खातून, शगुफ्ता सेराज, शमामा सेराज व शाइस्ता सेराज पुत्रीगण सिराजुर्रहमान | मुहम्मद मिनहाजुर्रहमान | मुहम्मद वहाजुर्रहमान | रजि० वसीयत |
| 5 | 09517010070280 47R/ | PM5172425003011/ | श्री खडक बहादुर सिंह पुत्र श्री दल बहादुर सिंह कलावती देवी, सरिता पाल, सुनीता सिंह पुत्रीगण श्री खडक बहादुर सिंह | बृजेन्द्र प्रताप सिंह | रावेन्द्र सिंह | रजि० वसीयत |
| 6 | 09517010080356 16R/ | PM5172425003008/ | श्री जागे पुत्र हरिराम | संतराजी | जगे | वारिसान |
| 7 | 09517010080327 15R/ | PM5172425003007/ | विनोद कुमार, बृजेश कुमार पुत्र रामसहाय लाल | दिव्या श्रीवास्तवा | बृजेश कुमार श्रीवास्तवा | वारिसान |
| 8 | 09517010080316 53R/ | PM5172425003005/ | श्री विजय कुमार | दीनदयाल सैनी | लल्लू प्रसाद सैनी | रजि० सेल डीड |
| 9 | 09517010010367 00M/ | PM5172425003001/ | श्रीमती माया देवी पत्नी लाल जी, श्रीमती इन्द्रावती देवी पत्नी दिलीप कुमार एवं श्रीमती मिथिलेश पत्नी श्री शिव कुमार | मनीष कुमार जैसवाल | संत लाल जैसवाल | रजि० सेल डीड |
| 10 | 09517010070295 33R/ | PM5172425003004/ | श्रीमती खतीजा समीम शेख पत्नी समीम अहमद शेख | अमजद अली | नूर मोहम्मद | रजि० सेल डीड |
| 11 | 09517010040269 11R/ | PM5172425002999/ | श्रीमती पूनम देवी पत्नी त्रियुगी नाथ | हरीपदा सिद्धान्ता | सीताराम सिद्धांता | रजि० सेल डीड |
| 12 | 09517010070295 33R/ | PM5172425002996/ | श्रीमती खतीजा समीम शेख पत्नी समीम अहमद शेख | मीर हसन | अली रजा | रजि० सेल डीड |
| 13 | 09517010070295 33R/ | PM5172425002998/ | श्रीमती खतीजा समीम शेख पत्नी समीम अहमद शेख | रोशन जहाँ | अकबर अली | रजि० सेल डीड |
| 14 | 09517010040188 24R/ | PM5172425002994/ | रामसमुझ चतुर्वेदी | अशोक कुमार चतुर्वेदी, अखिलेश कुमार चतुर्वेदी | राम समुझ चतुर्वेदी | वारिसान |
| 15 | 09517010050365 77R/ | PM5172425002993/ | अनूप कुमार श्रीवास्तव पुत्र गिरजा शकर लाल | अर्पित कुमार श्रीवास्तव | अनूप कुमार श्रीवास्तव | वारिसान |
| 16 | 09517010080313 45R/ | PM5172425002995/ | श्रीमती माला सिह सिंह उर्फ मुन्नी सिंह पत्नी श्री तेज बहादुर सिंह | सुषमा मिश्रा | महेन्द्र कुमार मिश्रा | रजि० सेल डीड |
| 17 | 09517010080319 92R/ | PM5172425002992/ | संजय कुमार जयसवाल पुत्र पंचम लाल | अनीता सिंह | निर्मल सिंह | रजि० सेल डीड |
| 18 | 09517010040217 75R/ | PM5172425002989/ | सुभाष चन्द्र पुत्र कन्हैया लाल | विमला देवी अनुराग कुमार अनुपम कुमार सोनी अनुभव कुमार सोनी | सुभाष चन्द्र | वारिसान |
| 19 | 09517010010237 02R/ | PM5172425002991/ | श्री अमर चन्द्र, नन्द किशोर व विनोद कुमार पुत्रगण गिरधारी लाल, श्रीमती शालू पत्नी एन प्रतीक | प्रतीक | नन्द किशोर | वारिसान |
| 20 | 95170100303766 3R/ | PM5172425002990/ | श्रीमती नजमा पत्नी स्व: शाहिद अली, इमरान अली व मो० सलीम पुत्रगण स्व0 शाहिद अली | साबरा बेगम | खुर्शीद अख्तर | रजि० सेल डीड |
| 21 | 09517010050269 93R/ | PM5172425002988/ | विजय कुमार पुत्र लक्ष्मी प्रसाद | अरविन्द कुमार वर्मा | राम अवतार वर्मा | रजि० सेल डीड |
| 22 | 09517010022213 85R/ | PM5172425002985/ | खेंदू पुत्र नैपाल | साधू सरन | रामपुर | वारिसान |
| 23 | 09517010070286 27R/ | PM5172425002986/ | अयोध्या प्रसाद शुक्ला | संतोष कुमार त्रिपाठी | चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी | रजि० वसीयत |
| 24 | 09517010010236 69R/ | PM5172425002984/ | राम जी पुत्र मूसे राम | निर्मला गुप्ता | गौरी शंकर | वारिसान |
| 25 | 09517010080343 09R/ | PM5172425002983/ | डुनमुन यादव | अशोक यादव | डुनमुन यादव | वारिसान |
| 26 | 09517010080328 82R/ | PM5172425002981/ | श्रीमती बिलकिस बेगम पत्नी स्व० महमूद अली | मनीष कुमार पाण्डेय | महेश कुमार पाण्डेय | रजि० सेल डीड |
| 27 | 09517010030221 12R/ | PM5172425002978/ | श्रीमती बिलकिस बेगम पली स्व० महमूद अली | फैजल अख्तर | परवेज अख्तर | रजि० सेल डीड |

# 22 मेधावियों को टैबलेट और दो लोगों को एक-एक लाख वितरित किया गया

**संवाददाता–श्रावस्ती।** मेधावी छात्र सम्मान योजना के तहत शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में टैबलेट व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 22 मेधावियों को टैबलेट व 21–21 हजार रुपये का वितरित किया गया। साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वितरण कार्यक्रम में विधायक रामकेर पाण्डेय, अध्यक्ष जिला पंचायत दहन मिश्रा, सदस्य विधान परिषद डा प्रज्ञा त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व सीडीओ अनुभव सिंह ने मेधावियों को टैबलेट, चेक, मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। टैबलेट व प्रशस्ति पत्र पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इसके साथ ही इण्टरमीडिएट के छात्र अमन गोस्वामी व अभिषेक गुप्ता को जिले में सर्वश्रेष्ठ अंक पाने पर एक–एक लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार युवाओं के उज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। उनके बेहतर शिक्षा के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। दहन मिश्रा ने कहा कि मेधावियों का सरकार सम्मान कर रही है। सदस्य विधान परिषद ने कहा कि आज के समय में इंटरनेट हर वर्ग के लोगों की आवश्यकता बन चुकी है। बिना इंटरनेट के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जिसको देखते हुए सरकार की ओर से प्रदेश भर के प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को टैबलेट व पुरस्कार वितरण किया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मेधावियों के उज्जवल भविष्य व बेहतर शिक्षा के लिए प्रदेश सरकार की ओर से टैबलेट का वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए तथा शिक्षा को और बेहतर करने के लिए टैबलेट दिया जा रहा है। जिससे छात्र–छात्राएं बेहतर पढ़ाई कर अपना मुकाम हासिल कर सकेंगे। टैबलेट पाने वाले छात्रों में हाईस्कूल की आद्या त्रिपाठी, विजय कुमार वर्मा, रजनीश कुमार, अंशिका, शिशिर, शिवम तिवारी, राम प्रताप विश्वकर्मा, पुष्कर तिवारी, कोमल यादव, सुशील मिश्रा, शक्ति वर्मा तथा इंटरमीडिएट के अमन गोस्वामी, अभिषेक गुप्ता, दीपक कुमार यादव, तन्वी द्विवेदी, विनय मौर्या, नवीन कुमार, कमल कुमार चौरसिया, सीमा मौर्या, शिव कुमार यादव, प्रज्ञा, वर्तिका पाण्डेय शामिल रहे। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, डीआईओएस मिथलेश कुमार, आशुतोष पाण्डेय, प्रकाश चन्द्र, विनय कुमार तिवारी, पंकज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 28 | 09517010080313 18R/ | PM5172425002976/ | श्रीमती लीलावती पत्नी बृजकिशोर कसौधन | राधेश्याम कसौधन | प्रयाग दीन | कोर्ट आर्डर |
| 29 | 09517010030225 87R/ | PM5172425002973/ | श्रीमती कमरून निशा पत्नी स्व० अब्दुल गफ्फार | अफजल अहमद | गफ्फार | वारिसान |
| 30 | 09517010050200 29R/ | PM5172425002971/ | श्री संसार मणि पुत्र श्री केदारनाथ | रिंका | कृष्णा माधव | रजि० सेल डीड |
| 31 | 09517010060280 07R/ | PM5172425002972/ | श्रीमती सुमन जैसवाल पत्नी श्री बजरंग लाल जैसवाल | निहालूद्दीन | शकील अहमद | रजि० सेल डीड |
| 32 | 09517010070359 44R/ | PM5172425002970/ | मोहम्मद आलम पुत्र मोहम्मद वकील | हयात मुहम्मद | हौसिल | रजि० सेल डीड |
| 33 | 09517010080332 89R/ | PM5172425002969/ | पूर्णिमा रानी श्रीवास्तव पुत्रीगण श्री जटाशंकर लाल श्रीवास्तव व श्रीमती दुर्गा श्रीवास्तव पत्नी सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव | दुर्गा श्रीवास्तव | सुभाष चन्द्र | रजि० सेल डीड |
| 34 | 09517010040270 32R/ | PM5172425002968/ | सत्य नरायन त्रिपाठी पुत्र श्याम लाल | वृजेश मणि त्रिपाठी | सत्यनारायण त्रिपाठी | वारिसान |
| 35 | 09517010030229 37R/ | PM5172425002965/ | जगदीश प्रसाद साहू पुत्र सरजू प्रसाद साहू | दीनानाथ साहू कमलेश कुमारी रघुनन्दन राम साहू राघवेन्द्र राम साहू मधुलिका गुप्ता विश्वनाथ साहू | जगदीश प्रसाद साहू दीन बन्धु साहू शिव नाथ साहू | रजि० वसीयत |
| 36 | 09517010030213 39R/ | PM5172425002966/ | जगदीश प्रसाद साहू पुत्र सरजू साहू | दीनानाथ साहू कमलेश कुमारी रघुनन्दन राम साहू राघवेन्द्र राम साहू मधुलिका गुप्ता विश्वनाथ साहू | जगदीश प्रसाद साहू दीन बन्धु साहू शिव नाथ साहू | रजि० वसीयत |
| 37 | 09517010040205 04R/ | PM5172425002964/ | श्री मजीबुल्लाह व नसीबुल्लाह पुत्रगण स्व0 नजीबुल्लाह तथा सफीउल्लाह पुत्र स्व0 हबीब | नीलम | हजारी प्रसाद गुप्ता | रजि० सेल डीड |
| 38 | 09517010080315 08R/ | PM5172425002961/ | श्रीमती लीलावती यादव पत्नी श्री विश्वनाथ यादव | करोड़पति देवी | दयाराम | रजि0 सेल डीड |
| 39 | 09517010080326 81R/ | PM5172425002963/ | देवमणि पुत्र बलेश्वर | कमला | देवमनी | रजि० तेल डोड |
| 40 | 09517010010244 83R/ | PM5172425002945/ | श्री बदलू राम पुत्र जगेसर राम | गनपत जायसवाल | बदलू राम जायसवाल | वारिसान |
| 41 | 09517010010250 92R/ | PM5172425002942/ | श्री रामशंकर व शिवपूजन पुत्रगण सन्तराम | शकुन्तला देवी | राम शकर | रजि0 सेल डीड |
| 42 | 09517010070280 99R/ | PM5172425003026/ | राम सुभग यादव | लीलावती यादव | राम सुभग यादव | रजि० सेल डीड |
| 43 | 09517010070280 99R/ | PM5172425003027/ | अशोक कुमार पुत्र बेजनाथ | राम सुभग यादव | रमेसर यादव | रजि0 सेल डीड |
| 44 | 09517010070286 15R/ | PM5172425003022/ | राम नरेश, सुरेश प्रसाद, परमात्मा प्रसाद पुत्रगण छांगुर | अभय कश्यप | राम सुरेश | वारिसान |
| 45 | 09517010070295 33R/ | PM5172425003000/ | श्रीमती खतीजा समीम शेख पत्नी समीम अहमद शेख | अजेर्जुहीम | अब्दुल रहीम | रजि0 सेल डीड |
| 46 | 09517010020337 68R/ | PM5172425002987/ | उमाशंकर मिश्र | रवि कसौधन | केदारनाथ गुप्ता | रजि0 सेल डीड |

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांक:– 1618/A /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/2024–25 दिनांक:–28 जून 2024

## स्कूल आवंटन पत्र पाकर खिले नवीन शिक्षकों के चेहरे

**संवाददाता–श्रावस्ती।** शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय में दूसरे व अंतिम दिन पुरुष अभ्यर्थियों के 25 नवनियुक्त शिक्षकों को स्कूल का आवंटन पत्र दिया गया। स्कूल आवंटन पत्र पाकर नवीन शिक्षकों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उपजिलाधिकारी न्यायिक मिनगा संजय कुमार के साथ 5 सदस्यीय कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी अमिता सिंह ने आवंटन पत्र देते हुए कहा कि सभी शिक्षक पूरी ईमानदारी के साथ स्कूलों में बच्चों को शिक्षा दें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। समय से स्कूल आना और छुट्टी होने के बाद स्कूल से जाना है। स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे स्कूलों में तैनाती दी गई है। जहां के स्कूल शिक्षकों के अभाव में बंद थे। अब शिक्षक की तैनाती होने से बंद स्कूल के छात्र भी पढ़ सकेंगे। बीएस ने बताया कि श्रावस्ती में 42 शिक्षकों की तैनाती की गई थी। जिसमें से 41 शिक्षकों को विद्यालय आवंटित कर दिया गया है। एक शिक्षक के अनुपस्थित होने के कारण आवंटन नहीं हो सका है।

# सड़क हादसे में महिला की मौत, पिता पुत्र घायल

**संवाददाता–गोण्डा।** ससुराल से लौटकर घर वापस जाते समय इटियाथोक कस्बा में बाइक खड़ी कर दुकानदार से बात कर रहे पति–पत्नी और बेटे को अनियंत्रित कार ने रौंद दिया। जिससे पत्नी की मौत हो गई। जबकि पति और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के गांव भवानीपुर खुर्द के रहने वाले दिनेश कुमार शुक्ल (38), पत्नी उषा (36) व 13 वर्षीय पुत्र प्रशांत को लेकर थाना क्षेत्र के ही गांव परनाबगुलहा अपने ससुराल गए थे। देर रात को घर वापसी के दौरान जैसे ही उनकी बाइक इटियाथोक कस्बा स्थित राज स्टूडियो के दुकान के सामने पहुंची तो दिनेश कुमार शुक्ल ने अपनी बाइक सड़क के बांई ओर खड़ी करके दुकानदार अटल पांडे से बातचीत करने लगें। तभी बलरामपुर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही मारुति कार यूपी–40–जे–8261 के चालक ने दिनेश शक्ल, उषा शुक्ला व प्रशांत सहित मोटर साइकिल को रौंदते हुए बगल के दुकान के शटर में जाकर घुस गई।दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आस–पास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को इटियाथोक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने सभी घायलों की हालत नाजुक देखकर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उषा शुक्ला की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार शुक्ल ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

# फोन पर पति की डांट से क्षुब्ध महिला ने लगाई फांसी

**संवाददाता–श्रावस्ती।** फोन पर बात करते समय पति ने पत्नी को मामूली डांट लगा दी। जिससे क्षुब्ध होकर महिला ने फांसी लगा ली इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र भिनगा के पटना गांव निवासी नैना देवी (26) पत्नी सुनील कुमार ने शुक्रवार देर रात फांसी के फंदे पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जाता है कि सुनील इस समय मजदूरी करने परदेस गया हुआ है। नैना फोन पर पति सुनील से बात कर रही थी। इस दौरान उसकी तीन माह की बच्ची रो रही थी। बच्ची के रोने की आवाज फोन पर सुनकर पति ने पत्नी को मामूली डांट लगा दिया। पति की डांट से क्षुब्ध होकर नैना ने घर में फांसी के फंदे से लटकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि नैना की शादी पांच साल पहले सुनील के साथ हुई थी। जिसका मायका कोतवाली क्षेत्र भिनगा के मध्यनगर में है।

# प्रवीण सिंह बैस बनाए गए क्षत्रिय महासंघ भारत के जिलाध्यक्ष

**–भारीतय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या । क्षत्रिय संगठन क्षत्रिय महासंघ भारत का अयोध्या जिले का अध्यक्ष प्रवीण सिंह बैस एडवोकेट को मनोनीत किया गया। ज्ञात हो क्षत्रिय महासंघ भारत एक गैर राजनितिक संगठन है। ये सिर्फ क्षत्रिय समाज के उत्थान के लिये संगठन है स और देश के अंदर जितने भी क्षत्रिय समाज के समाजिक संगठन हैं उनके साथ मिल कर कार्य करने में विश्वास रखता है। इसकी जानकारी क्षत्रिय महासंघ भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बैस एवं उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक अध्यक्ष शेरबहादुर सिंह ने उपलब्ध कराई है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण सिंह बैस एडवोकेट के जिलाध्यक्ष के मनोनयन पर सर्वजीत सिंह, चन्द्रभान सिंह, चंद्रबली सिंह, सत्यनाम सिंह, ध र्मपाल सिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह बब्बल, अखिलेश सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह,अभिनव सिंह राजपूत, विवेक सिंह , अभय प्रताप सिंह आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित किया।

# साध्वी प्रतिभा शास्त्री ने रूबी सोनी को सौंपी अयोध्या की कमान

**–भारीतय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या । सनातन धर्म परिषद भारत महिला प्रकोष्ठ की अयोध्या में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया था । जिसमे मातृ शक्ति को स्वावलंबी बनाना , सनातन धर्म के प्रति महिलाओं जागरूक करना लक्ष्य इसी को देखते हुए तमाम महिलाओ को जो समाज में कुछ कर गुजरने के और सामाजिक कुरीतियों से आगे निकलने का कार्य करती है उनको सनातन संस्कृति मौका देता है स महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी प्रतिभा शास्त्री ने रूबी सोनी की असीम प्रतिभा को देखते हुए प्रदेश में शामिल किया गया है स अयोध्या मीडिया सेंटर के प्रबंध निदेशक एवं पत्रकार रूबी सोनी को प्रदेश की मीडिया प्रभारी का उत्तरदायित्व दिया गया है स नए पद भार मिलने के बाद अयोध्या मीडिया सेंटर के प्रबंध निदेशक एवं पत्रकार रूबी सोनी ने कहा कि जो भी कार्यभार मुझे सौपा गया है स उसको पूरी तरह से मजबूत कर शहर से लेकर गांव तक की महिलाओं को जोडकर स्वावलंबी बनाना सनातन ध र्म के प्रति लगाव पैदा करना सनातन धर्म परिषद का मुख्य उद्देश्य है और मेरा भी सनातन धर्म परिषद भारत की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी प्रतिभा शास्त्री ने अयोध्या में शाखा के विस्तार के लिए सामाजिक कार्यकर्ता , अयोध्या मीडिया सेंटर के प्रबंध निदेशक एवं पत्रकार रूबी सोनी को बड़ी जिम्मेदारी सौपी गई है।

## विवाहिता ने मायके में फंदे से लटककर दे दी जान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बखिरा थाने के करैली गांव में शुक्रवार की मध्य रात्रि संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता ने फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी। वह छह माह से अपने मायके करैली में ही रह रही थी। उसका विवाह मेंहदावल क्षेत्र की घूरापाली में हुआ था। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किसी ने मामले में कोई तहरीर नहीं दी है। परिजन घटना का कारण कुछ बता नहीं पा रहे हैं।

घूरापाली निवासी सूर्यभान ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी बबिता (27) विगत छह माह से अपने मायके में रह रही थी। वह भी तीन दिन पहले ससुराल आया था। शुक्रवार को देर शाम तक सब कुछ सामान्य था। घर में सभी लोग खाना खाकर सो रहे थे। सुबह नींद खुलने पर पत्नी फंदे से लटकी मिली। तत्काल घर के अन्य सदस्यों को बुलाकर इसकी जानकारी दी। शोर सुनकर आस पास के लोग भी आ गए। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जांच की। बबिता के शव को नीचे उतारा। पंचनामा के बाद शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि किसी ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जांच व कार्रवाई की जाएगी।

## कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह संपन्न

संवाददाता–गोरखपुर। यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन(युवा इंडिया) एवं महिला अध्ययन केंद्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह एवं पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो० पूनम टंडन कुलपति दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन किया गया। मुख्य अतिथि के समक्ष विभिन्न कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए जिन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी शिक्षिकाओं को एवं विधाओं के सर्वश्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कृत किया एवं उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के हर तबके के व्यक्तियों विशेष कर बच्चों और महिलाओं को कुछ नवीन गुण या कौशल सीखकर समाज के मुख्य धारा में ना केवल शामिल होना चाहिए वरन समाज के प्रति अपनी भूमिकाओं का सम्यक निर्वाह करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने उद्बोधन में कहा ऐसी कार्यशालाएं व्यक्तिव निर्माण की दृष्टि से बहुत महत्पूर्ण होती है, इसलिए ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि वशिष्ठ नारायण सिंह एवं वेद प्रकाश मिश्रा जी द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो दिव्या रानी सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया एवं कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताया।

संस्था अध्यक्ष रत्नेश तिवारी ने कि कहा कि संस्था द्वारा विगत 8 वर्षों से कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है और अबतक 2100 से ज़्यादा महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और जो अपने पैरों पर खड़े होकर आगे बढ़ रही है। मंच संचालन वसुंधरा वर्मा एवं चेतना पांडेय द्वारा किया गया।कार्यक्रम में सुशील प्रसन्ना, राकेश श्रीवास्तव, विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, मंजु अग्रवाल, सुरेंद्र तिवारी, साक्षी मिश्रा, जया तिवारी, पुष्पा तिवारी, अमन यादव, नवीकरण ओझा, नीतीश सिंह, दीपक चौरसिया, अभिषेक सिंह, कृति, चाँदनी, सिवंगी मिश्रा, विशाल कुमार आदि मुख्य भूमिका में रही।

# आकाशीय बिजली की चपेट में आकर किसान की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के मालीमैनहा मे शनिवार की सुबह गरज चमक के बीच हो रही मूसलाधार बारिश के दरमियान बिजली गिर गयी ,जिससे उसकी चपेट मे आने से किसान की मौत हो गई। जिस समय बिजली गिरी उस समय किसान अपने खेत से अपने पशुओं के लिए चरी काटने गया था (कृषि कार्य )कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, डुमरियागंज नगर क्षेत्र के राजस्व ग्राम मालीमैनहा निवासी पंचम मौर्य पुत्र रामकरण मौर्य (55) शनिवार की सुबह लगभग 9रू40 बजे अपने खेत मे कृषि कार्य कर रहा था, तभी गर्जन के साथ मूसलाधार बारिश होने लगी।

जोरदार चमक गर्जन के साथ वहां बिजली गिर गई, जिसके संपर्क में सीधे पंचम मौर्य आ गए। झुलसने की वजह से मौके पर ही उसने मौत हो गई। मृतक किसान के दो पुत्र तथा पांच पुत्रियां हैं। दरअसल, जिस वक्त बिजली गिरी, किसान अपने मवेशियों के लिए अपने ही खेत से चरी घास काटने गया था।

सूचना मिलने पर तहसीलदार डुमरियागंज डॉ संतराज सिंह बघेल, नायब तहसीलदार डुमरियागंज महबूब आलम, राजस्व निरीक्षक लालकृष्ण श्रीवास्तव, लेखपाल राजेश मणि आदि मौके पर पहुंचे तथा मृतक किसान के परिजनों को ढाढस बंधाया तथा गरीब पीड़ित परिवार को शासन की ओर से हर संभव आर्थिक मदद दिलाने का तहसील प्रसाशन ने आश्वासन दिया।

## घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बघौली ब्लाक क्षेत्र के एकमा गांव के ग्रामीणों ने निर्माणाधीन टंकी के निर्माण में घटिया सामग्री प्रयोग करने का आरोप लगाकर प्रर्दशन किया। ग्रामीणों ने जांच कराकर कार्रवाई करने की मांग की है। बघौली ब्लाक क्षेत्र के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम शिव चौधरी के नेतृत्व में एक दर्जन लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जल निगम के निर्माणाधीन पानी की टंकी के निर्माण में घटिया सामग्री के प्रयोग का आरोप लगाया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि राम शिव चौधरी ने कहा कि पानी की टंकी के बेस में ही घटिया सम्रागी का प्रयोग हो रहा है। जिससे कभी भी बरसात में धंसने का डर बना रहेगा। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार व जेई की मिलीभगत से घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि गांव में पाईप लाईन बिछाने का कार्य होने से जगह–जगह इंटरलाकिंग रोड ही धंस गई है सही ढंग कार्य न कराने से सड़कें धवस्त हो गई हैं। ग्रामीणों ने चेतवानी देते हुए कहा कि अगर निर्माण सामग्री के मानक में सुधार नहीं किया गया तो जल्द ही डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

## कार्यालय ग्राम पंचायत भरवलिया विकास खण्ड गौर-बस्ती।

### अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.07.2024 से 09.07.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 10.07.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

**ग्राम प्रधान–अशर्फी लाल**
ग्राम पंचायत- भरवलिया
विकास खण्ड गौर, बस्ती

**सचिव/ग्रां.प्र.अ.–वीरेन्द्र कुमार**
ग्राम पंचायत- भरवलिया
विकास खण्ड गौर, बस्ती

पत्रांक मेमो /29.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

## कार्यालय ग्राम पंचायत कोरमा विकास खण्ड कुदरहा-बस्ती।

### अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.07.2024 से 10.07.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 11.07.2024 सायं 02 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

**ग्राम प्रधान–धर्मेन्द्र पटेल**
ग्राम पंचायत- कोरमा
विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती

**सचिव/ग्रां.प्र.अ.–रवि प्रसाद पाण्डेय**
ग्राम पंचायत- कोरमा
विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती

पत्रांक मेमो /29.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

## कार्यालय ग्राम पंचायत बघाकांडर विकास खण्ड गौर-बस्ती।

### अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.07.2024 से 10.07.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 11.07.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

**ग्राम प्रधान–कुमारी अंजली यादव**
ग्राम पंचायत- बाघाकांडर
विकास खण्ड गौर, बस्ती

**सचिव/ग्रां.प्र.अ.–वीरेन्द्र कुमार**
ग्राम पंचायत- बाघाकांडर
विकास खण्ड गौर, बस्ती

पत्रांक मेमो /29.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

## कार्यालय ग्राम पंचायत खुटहना विकास खण्ड गौर-बस्ती।

### अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.07.2024 से 08.07.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.07.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

**ग्राम प्रधान–राम दुलारे चौहान**
ग्राम पंचायत- खुटहना
विकास खण्ड गौर, बस्ती

**सचिव/ग्रां.प्र.अ.–वीरेन्द्र कुमार**
ग्राम पंचायत- खुटहना
विकास खण्ड गौर, बस्ती

पत्रांक मेमो /29.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

## कार्यालय ग्राम पंचायत लगुनही विकास खण्ड- बनकटी, जनपद- बस्ती

### अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **लगुनही**, विकासखंड **बनकटी** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैंड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 30–06–2024 से दिनांक 05–07–2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **लगुनही**, में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 05–07–2024 को अपरान्ह 03:30 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

**नियम व शर्तें**

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के संगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **लगुनही**, के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

**गीता मिश्रा**
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–लगुनही
विकास खण्ड–बनकटी जनपद बस्ती

**रंजीत चौधरी**
सचिव
ग्राम पंचायत–लगुनही
विकास खण्ड–बनकटी जनपद बस्ती

## जंगली सुअर के हमले में युवक घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा क्षेत्र के ढरसी निवासी बबलू (35) जंगली सुअर के हमले में घायल हो गया। शनिवार की दोपहर एक बजे वह गांव के बाग में बैठे हुआ था। तभी कहीं से घूमता हुआ जंगल सुअर पहुंचा। उसने बबलू पर हमला करके घायल कर दिया। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे।

## अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 1463/021
T 2021176330001463
धारा 30 उ0प्र0रा0स0 2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सिद्धार्थनगर
गोवरी
बनाम
सरकार आदि

साकिन किशुनधरजोत तप्पा पचहर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
1. श्री नेवास पुत्र जोखू 2. अंकुर पाण्डे पुत्र राम चन्दर 3. श्रीमती शोभा देवी पत्नी छोटेलाल 4. हरिनाथ पाण्डे 5. भृगुनाथ 6. चन्द्रभान पाण्डे पुत्रगण छोटेलाल 7. बबलू पुत्र बनारसी 8. प्रमिला देवी पत्नी राकेश कुमार 9. शिवपूजन पुत्र जोखू समस्त साकिनान किशुनधरजोत तप्पा पचहर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 10. दीपक पुत्र मोती साकिन जनियाजोत 11. पुष्पावती देवी पत्नी रामसेवक साकिन मीयाजोत 12. बाबूराम पुत्र कन्हई साकिन रैनाजोत 13. सुशीला देवी पत्नी प्रहलाद साकिन संग्रामपुर तप्पा पचहर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 14. सावित्री देवी पत्नी रामदेव साकिन कटहा तप्पा असनार 15. रामसूरत त्रिपाठी पुत्र सूर्यनरायन साकिन मसैची तप्पा गोसियारी 16. श्रीमती रेनू पत्नी रामनिवास साकिन पिपरहिया तप्पा असनार 17. शोभनाथ पुत्र रामराज चौरसिया साकिन बनभरिया तप्पा असनार 18. श्रीमती दुलारी पत्नी राममिलन साकिन बनौली पो0 मऊ तप्पा पचहर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

**तारीख पेशी 09–08–2024**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 06 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम


**दैनिक भारतीय बस्ती**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाता 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–**फैजाबाद कार्यालय**–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ **कार्यालय**–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय**–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
**bhartiyabasti@gmail.com**